विनम्र आग्रह

इस दुर्लभ अवसर का उपयोग आप अपनी सुविधानुसार कई प्रकार से कर सकते हैं, जैसेः–

- विभिन्न अनुष्ठानों में अपनी सुविधा और सामर्थ्य अनुसार यजमान बनकर।
- अन्नक्षेत्र और समष्टि भण्डारे में अपनी सामर्थ्य अनुसार दान देकर।
- अपने आर्थिक सहयोग से शिविर में आने वाले साधु–ब्राह्मणों को आवास की सुविधा दिलाकर।
- ऊनी, सूती तथा उपयोगी वस्तु का साधु–सन्तों को दान देकर।
- शिविर में ठहरे अथवा बाहर से आये साधु–सन्तों के लिए स्थापित चिकित्सा शिविर में औषधि और आर्थिक दान देकर।
- यदि आप आ रहे हैं तो अपने साथ गर्म कपड़े, ओढ़ने–बिछाने की चादर, टार्च अपनी आवश्यकता।
- औषधि अवश्य लायें। अपने आने की निश्चित सूचना 21 दिसम्बर तक अवश्य दें।
- कक्ष अथवा ई.पी. टैण्ट, जो भी आप चाहते हों उसके लिए अपेक्षित धन का ड्राफ्ट अथवा मनीआर्डर पहले भेजें।
- अपने साथ कीमती सामान, आभूषण, ज्वलनशील पदार्थ तथा नशे जैसी निशिद्ध वस्तुएँ बिल्कुल न लायें।
- शिविर में आपकी नकदी के सुरक्षित रखने के लिए यात्री अमानत की व्यवस्था रखी गयी है।
- शिविर में अपने ई–मेल देखने और भेजने के लिए इंटरनेट की सुविधा होगी।
- प्रत्येक कक्ष के साथ शौचालय की सुविधा होगी लेकिन स्विस काटेज व ई.पी. टैण्ट के लिए अलग साफ–सुथरे शौचालय की व्यवस्था होगी।
- लागत मूल्य पर उत्तम भोजन की व्यवस्था होगी तथा उसके अलावा चाय जलपान के लिए अलग कैण्टीन होगी।
- अग्नि के सुरक्षा के दृष्टिकोण आवासीय कक्षों/स्विस काटेज/ईपी टैंट में आग जलाने की अनुमति नहीं होगी।
- शिविर आवासियों को शिविर में आयोजित प्रार्थना सत्संग यज्ञ आरती तथा श्रमदान आदि में अनिवार्य रूप से भाग लेना होगा।
- दान अथवा किसी भी मद में जो भी धन आप भेजना चाहें स्वामी शुकदेवानन्द ट्रस्ट के नाम होना चाहिए और उसे परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के पते पर भेज देवें।

महाकुंभ शिविर में पधारने वाले संत-महात्मा

- महामण्डलेश्वर परम पूज्य श्री स्वामी असंगानन्द सरस्वती जी महाराज।
- पूज्य श्री स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती जी महाराज।
- पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज (पूज्य मुनि जी)।
- पूज्य श्री स्वामी भागवतानन्द सरस्वती जी महाराज।
- पूज्य श्री स्वामी सर्वानन्द सरस्वती जी महाराज।
- पूज्य श्री स्वामी सहजानंद सरस्वती जी महाराज।
- पूज्य श्री स्वामी ज्योतिर्मयानन्द जी महाराज।
- पूज्य श्री स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज।
- पूज्य श्री स्वामी अमृतानन्द सरस्वती जी महाराज, (पवन दीवान जी)।
- पूज्य श्री स्वामी विवेकानन्द सरस्वती जी महाराज।
- पूज्य श्री स्वामी श्यामस्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज।
- पूज्य श्री स्वामी दिव्यानंद सरस्वती जी महाराज।
- पूज्य श्री स्वामी प्रहलादानंद सरस्वती जी महाराज।
- पूज्य श्री स्वामी धर्मप्रेमानंद सरस्वती जी महाराज।

आमंत्रित विद्वान, कथावाचक

- श्री मदन मोहन शास्त्री जी, वृन्दावन।
- श्री रवि शास्त्री रामायणी, रायबरेली।
- श्री ब्रजेश रामायणी, बरेली।

विशेष सूचना

एतद् द्वारा सभी भक्तों व शुभेच्छुकों को सूचित किया जाता है कि परमार्थ निकेतन की ओर से दान या चन्दा लेने के लिए कभी भी किसी भी व्यक्ति अथवा संत को किसी के दुकान, घर या कार्यालय पर नहीं भेजा जाता है। परमार्थ निकेतन के कार्यक्रम के अतिरिक्त कृपया किसी को भी परमार्थ निकेतन के नाम पर दान न देंवे। यदि ऐसा कोई व्यक्ति आपके पास आता है तो कृपया हमें सूचित करें।

सर्वभूतहिते रताः

आमन्त्रण

श्री दैवी सम्पद् महामण्डल शिविर

महाकुम्भ मेला-प्रयागराज 2013

इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)

अवधि

11 जनवरी से 25 फरवरी 2013

तद्नुसार

पौष कृष्ण 14 से माघ पूर्णिमा

शिविर स्थल

सेक्टर 10, शास्त्री ब्रिज के नीचे, शंकराचार्य मार्ग के पास

संरक्षण

महामण्डलेश्वर

श्री स्वामी असंगानन्द सरस्वती जी महाराज

शिविर संचालन

श्री स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज

श्री स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती जी महाराज

सम्पर्क सूत्रः

प्रबन्धक, परमार्थ निकेतन, पो. स्वर्गाश्रम, ऋषिकेश–249 304

फोनः 9411106602/3/4, फैक्सः 0135–2440066

ई.मेलः kumbha@parmarth.com

अनुरोध

मरण धर्मा इस संसार को अमृत की प्यास सदैव से रही है। विश्व के सभी धार्मिक मत–पंथ के लोग अपने–अपने ढंग से अमृत की खोज करते रहे हैं। अनेकों शास्त्र और ऋषि मृत्यु का समाधान अलग–अलग ढंग से करते रहे हैं। देवताओं को भी मृत्यु का भय परेशान करता रहा है। वह भी अमृत पाना चाहते थे, दैत्य क्यों पीछे रहते, वह तो अमरत्व के लिए किसी भी सीमा तक जाने को तैयार थे। दोनों ने मिलकर समुद्र की गहराई को मथने का मन बनाया, मंथन हुआ, अनेकों रत्न निकले, उसमें एक अमृत का कलश भी प्रकट हुआ। किसको मिले यह अमृत? छीना–छपटी में अमृत कलश देवपुत्र ले उड़े। जहाँ–जहाँ वह अमृत कुंभ रखा गया, वहाँ–वहाँ आज भी लाखों लोग जन–समुद्र के रूप में उमड़ पड़ते हैं। फिर वहाँ भी चलता है एक मंथन, जिसमे से निकलता है, समय का वह नूतन अमृत जो नित्य–नूतन और चिर–पुरातन है। कभी प्रयाग तो कभी हरिद्वार, कभी उज्जैन तो कभी नासिक, बाहर वर्षों के अन्तराल पर भारत के चार स्थानों पर अमृत साधना का यह उत्सव आयोजित होता है। विश्व के कोने–कोने से संत महात्मा, साधक, साधु, भक्त और भागवत् सभी गंगा, गोदावरी और क्षिप्रा के जल में डुबकी लगाकर उस अमृत को तलाश करते हैं।

इस वर्ष के माघ (जनवरी 2013) मास में यह महापर्व तीर्थराज प्रयाग, गंगा, यमुना, सरस्वती के पवित्र संगम पर आयोजित हो रहा है।

अपनी संस्था श्री दैवी संपद् महामंडल का एक विशाल शिविर इस विराट मेले में लगाया जा रहा है। खुले आकाश के नीचे संगम की रेती में तम्बु–कनातों का महानगर बसता है, जिसमें अपना शिविर सन् 1947 (लगभग 65 वर्षों) से लगता आ रहा है। आप हमारे आध्यात्मिक परिवार के सम्मानित सदस्य हैं। इसलिए आपको सूचित करना हम अपना धर्म मानते हैं।

यदि आप इस अवसर पर स्वयं सपरिवार पधारकर सन्तों का भण्डारा, अन्नक्षेत्र में सहयोग, समाष्टि भण्डारा, रूद्र महायज्ञ, श्रीमद् भागवत् सप्ताह अथवा श्रीराम चरितमानस नवाह पारायण में भागीदार बनना चाहते हैं तो बिना किसी बिलम्ब के सम्पर्क स्थापित कर हमें अवगत कर सकते हैं। 20 दिसम्बर तक आप हमें अवश्य सूचित करें, जिससे हम आपकी आवश्यकतानुसार शिविर में आपके लिए व्यवस्था कर सकें।

आपके अपने ही

महामण्डलेश्वर स्वामी असंगानन्द सरस्वती

स्वामी चिदानन्द सरस्वती 'पूज्य मुनि जी'

स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती

प्रमुख स्नान

पर्व	दिनांक	तिथिवार
मकर संक्रान्ति (प्रथम शाही स्नान)	14.01.2013	माघ कृष्ण–3 सोमवार
मौनी अमावस्या (द्वितीय शाही स्नान)	10.02.2013	माघ कृष्ण रविवार
वसंत पंचमी (तृतीय शाही स्नान)	15.02.2013	माघ शुक्ल–5 शुक्रवार
रथ/अचला सप्तमी	17.02.2013	माघ शुक्ल–7 रविवार
भीष्म अष्टमी	18.02.2013	माघ शुक्ल–8 सोमवार
माघी पूर्णिमा	25.02.2013	माघ शुक्ल–15 सोमवार

प्रमुख अनुष्ठान

मंगल कलश स्थापना (शिविर आरम्भ)
यज्ञ मण्डप प्रवेश दिनांक 10 जनवरी 2013
श्रीमदभागवत् कथा अवधि 16–23 जनवरी 2013
श्री रामचरितमानस कथा व पाठ 7–13 फरवरी 2013
दैनिक प्रार्थना, सत्संग व गंगा आरती प्रतिदिन

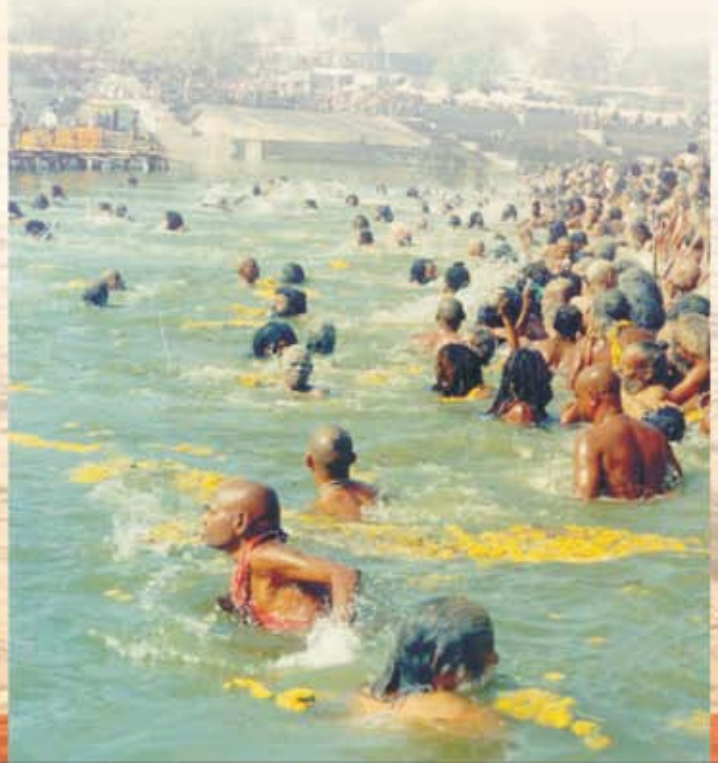

व्यवस्था-विवरण

आवास और विभिन्न अनुष्ठानों से सम्बन्धित जानकारी निम्न प्रकार है:–

आवास

पूर्व आरक्षण एवं उपलब्धता के अनुसार शौचालय युक्त कक्ष/स्वीस काटेज (अलग शौचालय)/ई.पी. टैण्ट (अलग शौचालय) में आवास व्यवस्था की जायेगी।

अनुष्ठान

यज्ञ प्रतिदिन दक्षिणा 3100/–

विशेष यज्ञ

मुख्य यजमान– 51000/– सहायक यजमान– 5100/–

श्री रामकथा एवं नवाह पारायण

श्री रामकथा यजमान– 21000/–
मानस पाठ यजमान– 11000/–

श्रीमद्भागवत् सप्ताह कथा

कथा यजमान–21000/–, मूल पाठ यजमान–11000/–

अन्न क्षेत्र व भण्डारे

सामान्य भण्डारा (रोटी, चावल, दाल, सब्जी)	7100/–
विशिष्ट भण्डारा (खीर, पूड़ी, सब्जी)	11000/–
साधु–ब्राह्मणों एवं ऋषिकुमारों का अल्पाहार	3100/–

समाष्टि भण्डारा दिनांक 5 फरवरी 2013

यह विशेष भंडारा केवल कुंभ और अर्ध–कुंभ के अवसर पर ही होता है, जिसमें मेला में सभी महामंडलेश्वर, आचार्य, महन्त और सन्त भोजन प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस अवसर पर उनका दान, दक्षिणा, वस्त्र आदि अलंकरण से अभिनन्दन और अभिषेक किया जाता है, जिसमें कई हजार साधु–सन्त प्रसाद ग्रहण करेंगे। वस्त्र, कम्बल, शॉल, टोपी, स्वेटर, छाता, कमण्डल, आसन आदि का दान भी किया जाता है। इस मद में अपने सामर्थ्य के अनुसार सहयोग प्रदान कर सकते हैं। अपनी सेवा का ड्राफ्ट/चेक/'स्वामी शुकदेवानन्द ट्रस्ट' के नाम बनवाकर परमार्थ निकेतन के पते पर भेजें व पत्र में संकेत कर देवें कि आप सहयोग समाष्टि भण्डारों के लिए है अथवा अन्य सेवा हेतु।